# प्रश्नप्रकाश

रचयिता—

## पं० राजाराम ज्योतिषी फर्रुखाबाद


प्रकाशक—

## तेजकुमार बुकडिपो (प्रा०) लि०, लखनऊ

उत्तराधिकारी—

**नवलकिशोर-बुकडिपो, लखनऊ.**

श्रीमती कमला भार्गव द्वारा
तेजकुमार-प्रेस (प्रा०) लिमिटेड, लखनऊ में मुद्रित

पांचवीं बार २००० ]　　१९९९　　मूल्य ७/५०)

# समर्पण

—:०:—

प्रश्नप्रकाश नामक ग्रंथ के संग्रह करने में पूज्य-पाद श्रीमान् श्रीगोस्वामी पं० छोटेलालजी ने सर्व प्रकार से सहायता की है। यह दास उनका बहुत ही कृतज्ञ है और धन्यवाद के साथ ही साथ यह पुस्तक श्रीमान् गोस्वामीजी के कर-कमलों में सादर समर्पित करता है।

राजाराम ज्योतिषी
खतराना, फर्रुखाबाद।

# भूमिका

—:o:—

प्रायः ज्योतिषी लोग ज्योतिषशास्त्र की सुन्दर रीतियों को गुप्त रखते हैं, परन्तु आनन्दपूर्वक आज हम यह कहने के लिये तैयार हैं कि पं० राजारामजी ज्योतिषी ने प्रश्नप्रकाश नामक छोटा-सा ग्रन्थ बनाकर इस अपवाद को मिटाने के साथ ही उदारता, उपकारिता एवं पूर्ण दयालुता का परिचय भी दिया है। यद्यपि ज्योतिषशास्त्र के प्रश्न-विभाग में कई ग्रन्थ (जैसे पञ्चपक्षी, गर्गमनोरमा, प्रश्नचण्डेश्वर) प्रकाशित हुए हैं, पर वे अतिकठिन होने के कारण सर्वसाधारण के काम में नहीं आते। प्रश्नविद्या भी तात्कालिक प्रभाव दिखानेवाली प्रसिद्ध विद्या है। इस छोटे से ग्रन्थ में हस्तप्रश्न, चौरप्रश्न, युद्धप्रश्न, जय-पराजयप्रश्न, भोजनप्रश्न, रोगप्रश्न, गमनागमनप्रश्न इत्यादि अनेक प्रश्नों का भली भाँति वर्णन किया है, जो ज्योतिषप्रेमी लोगों के लिए बड़े ही उपयोगी हैं। पण्डित-मण्डली के लिए उपयोगी जानकर इसे प्रकाशित किया गया है।

आशा है, प्रश्नविद्यावेत्ता तथा उपयोगकर्ता महाशय इस पुस्तक को संग्रह करके स्वयं लाभ उठाएँगे और उक्त पण्डितजी के प्रयत्न को सफल करेंगे।

विद्वज्जनकृपाभिलाषीः—

**खूबचन्द शर्मा**

श्रीगणेशाय नमः।

**आदित्यं शारदां नत्वा गुरुं गणपतिं हरिम्।**
**कुर्वे लोकहितार्थाय ग्रन्थं प्रश्नप्रकाशकम्॥**

चक्र नं० १

| अक्षर | अ | ब | ज | द | ह | व | ज | ह | त | इ | क | ल | म | न |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अंक | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | २० | ३० | ४० | ५० |
| अक्षर | स | अ | फ़ | स | क़ | र | श | त | ब | ख़ | ज़ | ज़ | ज़ | ग़ |
| अंक | ६० | ७० | ८० | ९० | १०० | २०० | ३०० | ४०० | ५०० | ६०० | ७०० | ८०० | ९०० | १००० |

यह ऊपरवाला चक्र इसलिए लिखा गया है कि अक्सर सवाल के जवाबों में पूछनेवाले के नाम के अंक निकालने की जरूरत पड़ेगी। बस, जिसके नाम के अंक निकालने हों उसके नाम के सब

**अक्षर लिखकर हरएक अक्षर के अंक चक्र से लेकर एक जगह जमा करो तो कुल हरूफों के नाम के अंकों का समूह निकल आवेगा। इस तरह हर एक नाम के अक्षर लिखकर अंक निकाल लो।**

### चक्र नं० २

| नाम दिन | इतवार | सोमवार | मंगल | बुध | बृहस्पति | शुक्रवार | शनिवार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अंक | ६०८ | ३१३ | १४० | ११ | २६९ | २८० | ३२३ |

### चक्र० नं० ३

| अक्षर / अंक | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अक्षर | अ | आ | इ | ई | उ | ऊ | ए | ऐ | ओ | औ | अं | अः |
| अंक | १२ | १२ | ११ | १८ | १५ | २२ | १८ | ३२ | २५ | १९ | २५ | |
| अक्षर | क | ख | ग | घ | ङ | च | छ | ज | झ | ञ | ट | ठ |
| अंक | १३ | ११ | २१ | ३० | १० | १५ | २१ | २३ | २६ | २६ | १० | १३ |
| अक्षर | ड | ढ | ण | त | थ | द | ध | न | प | फ | ब | भ |
| अंक | २२ | ३५ | ४५ | १४ | १८ | १७ | १३ | ३५ | २८ | १८ | २६ | २७ |
| अक्षर | म | य | र | ल | व | श | ष | स | ह | | | |
| अंक | ८६ | १६ | १३ | १३ | ३५ | ३६ | ३५ | ३८ | १२ | | | |

**नोट**—चक्र नं० १ में ज्ञ ज्ञ ज्ञ जो कि आखिरी खानों में इस्तेमाल किये गये हैं, वे उर्दू, के जाल, ज्वाद और जोय सिलसिलेवार समझे जावें।



### चक्र नं० ४

| नाम ग्रह | सूरज | चन्द्र | मङ्गल | बुध | बृह० | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नाम दिन | इतवार | सोमवार | मङ्गल | बुध | बृह० | शुक्र | शनि |
| राशि | सिंह | कर्क | मेष वृश्चिक | मिथुन कन्या | धन मीन | वृष तुला | मकर कुम्भ |
| अंक | ५ | १२ | १४ | ९ | ८ | ३ | ११ |

### चक्र नं० ५

| नाम अक्षर | नाम नक्षत्र | नाम अक्षर | नाम नक्षत्र | नाम अक्षर | नाम नक्षत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| चू चे चो ला | अश्विनी | मो टा टी टू | पूर्वा फा० | भे भो ज जी | उ० षा० |
| ली लू ले लो | भरणी | टे टो प पी | उ० फा० | ख खी खू खे | श्रवण |
| आ ई ऊ ए | कृत्तिका | पू ष ण ठ | हस्त | ग गी गू गे | धनिष्ठा |
| ओ वा वी वू | रोहिणी | पे पो रा री | चित्रा | गो शा शी शू | शतभिषा |
| वि वो क की | मृगशिरा | रू रे रो ता | स्वाती | से सो द दी | पू० भा० |
| कू घ ङ छ | आर्द्रा | ती तू ते तो | विशाखा | दू थ झ ञ | उ० भा० |
| के को ह ही | पुनर्वसु | न नी नू ने | अनुराधा | दे दो च ची | रेवती |
| हू हे हो डा | पुष्य | नो या यी यू | ज्येष्ठा | जू जे जो षा | अभिजित् |
| डी डू डे डो | श्लेषा | ये यो भ भी | मूल | | |
| म मी मू मे | मघा | भू ध फ ढ | पू० षा० | | |

### चक्र नं० ६

| राशियों के अक्षर | राशि | क्रम |
|---|---|---|
| चू चे चो ला ली लू ले लो अ | मेष | १ |
| ई ऊ ए ओ वा वी वू बे वो | वृष | २ |
| क की कू घ ङ छ के को ह | मिथुन | ३ |
| ही हू हे हो डा डी डू डे डो | कर्क | ४ |
| म मी मू मे मो टा टी टू टे | सिंह | ५ |
| टो प पी पू ष ण ठ पे पो | कन्या | ६ |
| रा री रू रे रो ता ती तू ते | तुला | ७ |
| तो ना नी नू ने नो या यी यू | वृश्चिक | ८ |
| ये यो भ भी भू ध फ ढ भे | धन | ९ |
| भो ज जी ख खी खू खे ग गी | मकर | १० |
| गू गे गो स सी सू से सो | कुम्भ | ११ |
| द दी दू थ झ ञ दे दो चा ची | मीन | १२ |

## चक्र नं० ७

| राशि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृ० | धन | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अंक | ३ | २२ | ३३ | २५ | १९ | १७ | २२ | १२ | १६ | १९ | ३३ | २५ |

## चक्र नं० ८

| नक्षत्र | अंक सं० | नक्षत्र | अंक सं० |
|---|---|---|---|
| अश्विनी | १ | स्वाति | १५ |
| भरणी | २ | विशाखा | १६ |
| कृत्तिका | ३ | अनुराधा | १७ |
| रोहिणी | ४ | ज्येष्ठा | १८ |
| मृगशिरा | ५ | मूल | १९ |
| आर्द्रा | ६ | पू० षा० | २० |
| पुनर्वसु | ७ | उ० षा० | २१ |
| पुष्य | ८ | अभिजित् | २२ |
| श्लेषा | ९ | श्रवण | २३ |
| मघा | १० | धनिष्ठा | २४ |
| पूर्वा फा० | ११ | शतभिषा | २५ |
| उ० फा० | १२ | पूर्वभाद्र० | २६ |
| हस्त | १३ | उत्तरभा० | २७ |
| चित्रा | १४ | रेवती | २८ |

## चक्र नं० ९

| योग | अंक | योग | अंक |
|---|---|---|---|
| विष्कुम्भ | १ | वज्र | १५ |
| प्रीति | २ | सिद्ध | १६ |
| आयुष्मान् | ३ | व्यतिपात | १७ |
| सौभाग्य | ४ | वरियान | १८ |
| शोभन | ५ | परिघ | १९ |
| अतिगण्ड | ६ | शिव | २० |
| सुकर्मा | ७ | सिद्धि | २१ |
| धृति | ८ | साध्य | २२ |
| शूल | ९ | शुभ | २३ |
| गण्ड | १० | शुक्ल | २४ |
| वृद्धि | ११ | ब्रह्म | २५ |
| ध्रुव | १२ | ऐन्द्र | २६ |
| व्याघात | १३ | वैधृति | २७ |
| हर्षण | १४ | | |

## चक्र नं० १०

| तिथि | क्रम | तिथि | क्रम | तिथि | क्रम | तिथि | क्रम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| परिवा | १ | पञ्चमी | ५ | नौमी | ९ | तेरस | १३ |
| दूज | २ | छठि | ६ | दशमी | १० | चौदस | १४ |
| तीज | ३ | सप्तमी | ७ | एकादशी | ११ | अमावस | ३० |
| चौथ | ४ | अष्टमी | ८ | द्वादशी | १२ | पूर्णमासी | १५ |



## चक्र नं० ११

| नाम वर्ग | गरुड़ | बिलाव | सिंह | श्वान | सर्प | मूषक | गज | मेष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अक्षर | अ इ उ ए ओ | क ख ग घ ङ | च छ ज झ ञ | ट ठ ड ढ ण | त थ द ध न | प फ ब भ म | य र ल व | श ष स ह |

## प्रश्नों के उत्तर देने का कायदा

### प्रश्न

१—मेरी किस्मत आजकल कैसी है ?

**प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षरों को गिन लो और उस वक्त चन्द्रमा को देखो किस राशि में है। जिसराशि में चन्द्रमा हो उसके अंक चक्र नं० ७ और दिन के अंक चक्र नं० ४ से लेकर जोड़कर १२ उसमें और मिला दो फिर ७ का भाग दो अगर बाकी १ बचे या ३ या ५ तो उसके दिन आजकल बुरे हैं हरवक्त फिकर चिंता रहती है। कभी इरादा सफर का करता है। अगर २ या ४ बचें तो बुरे दिन निकल गये चन्द दिनों में मनोरथ सिद्ध होगा। अगर ६ बचें तो तुमको बहम ने घेरा है। अगर बाकी कुछ न रहे तो तुम्हारी किस्मत बन्द है जो काम करते हो, उसमें**

नुकसान होता है अगर यकीन न हो तो देखो तुम्हारे शिर में जखम का निशान है।

२—मैं जिन्दगी में कभी आराम पाऊँगा ?

प्रश्नकर्ता के नाम के हरूफों के अंग चक्र नं ३ से लेकर और उसके नाम के नक्षत्र के अंक चक्र नं० ६ से लेकर दोनों को जोड़कर ७ से गुणा देकर ६ का भाग दो। अगर बाकी १ बचे तो तुमने बचपन में आराम पाया, अगर २ बचें तो शारीरिक तकलीफ, ३ बचें तो फिकर रंज होगा, ४ बचें तो तुमको माता-पिता के धन की वजह से आराम मिलेगा, ५ बचें तो औलाद से सुख होगा, ६ बचें तो हरवक्त रंज फिकर से जिन्दगी गुजारोगे, ७ बचें तो सिवाय और आरामों के स्त्रियों का आराम पाओगे, ८ बचें तो कभी आराम न मिलेगा हमेशा तकलीफ रंज रहेगा, ९ बचें तो हमेशा चक्कर और फिकर से जिन्दगी गुजारोगे।

३—मेरी जिन्दगी किस तरह गुजरेगी ?

पूछनेवाले के नाम के अंकों को चक्र नं० १



और दिन के अंक चक्र नं० २ से लेकर जमा करो फिर ३ से गुणा देकर ४ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो तुम्हारी जिन्दगी के दिन आराम से गुजरेंगे, धन-सन्तान से सुख मिलेगा, २ बचें तो तुम हमेशा रुपया जमा करने की चिन्ता से आराम को भी दुख समझोगे, ३ बचें तो तुमको हमेशा शत्रु से रंज मिलेगा, किन्तु तुम जबरदस्त पड़ोगे, ४ बचें तो फिजूल खर्च और फिकरों से तुम्हारे बाकी दिन जिन्दगी के गुजर जायँगे इसी हाल पर सन्तोष करो।

४—मेरी तन्दुरुस्ती कैसी रहेगी ?

प्रश्नकर्ता के राशि के अंक चक्र नं० ७ से ले और चन्द्रमा व मङ्गल जिस राशि पर हों उनके अंक नं० ७ से लो और उस दिन के नक्षत्र व तिथि का शुमार चक्र नं० ८ व चक्र नं० १० से लेकर इन सबको जमा करके दूने करो फिर ८ का भाग दो। अगर बाकी १ बचे तो तबियत में हमेशा पित्त का जोर रहेगा और तुनकमिजाजी और

झगड़ा में ज्यादा मन लगेगा। अगर २ बचें तो जिस्मानी सेहत अच्छी रहेगी, बीमारी दूर भागेगी, अगर ३ बचें तो शरीर में खुजली व दर्द पैदा होगा मगर जल्द आराम हो जायगा, अगर ४ बचें तो हाजमा दुरुस्त नहीं रहेगा, अगर ५ बचें तो तुम्हारी जिस्मानी सेहत बहुत अच्छी रहेगी, अगर ६ बचें तो विषय भोग से तुम्हारी हालत बिगड़ जायगी और मर्ज छीन से तकलीफ उठाओगे, अगर ७ बचें तो तुम्हारी सेहत किसी जहरीली चीज से खराब होगी। अगर ८ बचें तो तुम्हारा खून-आतशक के सबब से बिगड़ जायगा और खून-साफ की दवा अक्सर खाया करोगे।

५—मुझे घर पर आराम मिलेगा ?

प्रश्नकर्ता से किसी फूल का नाम कहलवाकर उस फूल के हरूफ शुमार करो और प्रश्नकर्ता की राशि के ग्रह का अंक चक्र नं० ४ से लो और उस समय सूरज जिस राशि पर हो उसके अंक चक्र नं० ७ से लेकर इन सबको जमा करके २ का भाग दो,



अगर बाकी १ बचे तो मालूम कर लो कि इन दिनों प्रश्नकर्ता का भाग्य मंद है बजाय इस जगह के अगर परदेश चला जाय तो आराम पावेगा। अगर २ बचें तो इन दिनों भाग्य अच्छा है इसी जगह या अपने घर में भी चन्द दिनों तक सूरत आराम की हो जायगी यकीन रक्खो।

६—मेरी मौत किससे होगी ?

प्रश्नकर्ता के प्रश्न समय के नक्षत्र के हरूफ और नाम के नक्षत्र के हरूफ चक्र नं० ५ से लो और उस समय सूरज और चन्द्रमा जिस राशि में हों उन उन राशियों के अंक चक्र नं० ७ से लो और प्रश्नकर्ता के नाम के अंक चक्र नं० ३ से लो फिर इन सबको जोड़कर ८ का भाग दो, अगर बाकी १ बचे तो अचानक किसी बड़ी फिकर से मौत होगी। अगर २ बचें तो बुखार से। अगर ३ बचें तो दर्द से इसी तरह ४ में किसी चीज के नीचे दबने से। ५ में किसी अजीज के वियोग से। ६ में मर्ज फोड़ा से। ७ में किसी चीज के

नुकसान उठाने की फिकर से। ८ बचें तो किसी शत्रु के कारण या आत्मघात या पानी में डूबकर या जहरीले जानवर से या जहर खाकर मौत होगी।

७–मेरी फिकर कब दूर होगी ?

प्रश्नकर्ता के प्रश्न के समय के नक्षत्र, तिथि, योग का चक्र नं० ८–९–१० से जमा करो और चन्द्रमा जिस राशि में हो उसके अंक चक्र नं० ७ से लेकर सबको जोड़कर तिगुने कर लो फिर ४ का भाग दो। १ बाकी बचे तो तुम्हारी फिकर जल्द दूर होगी। अगर २ बचें तो जिस जीव का तुम्हें ख्याल है वह हर तरह खुश है उसकी खबर आने पर तुम्हारी फिकर दूर होगी। अगर ३ बचें तो १ महीने बाद फिकर दूर होगी। अगर ४ बचें तो तुमको १ वहम हो गया है यह फिकर हमेशा रहेगी, तुम्हारा दिल कमजोर है, तुम दिल को ताकत देनेवाली कोई दवा खाओ।

८–मैं जिन्दगी में क्या काम करूँगा ?

प्रश्न समय पर बृहस्पति जिस राशि पर हो



उसके अंक चक्र नं० ७ और उस दिन के नक्षत्र की संख्या चक्र नं० ८ से और तिथि की संख्या चक्र नं० १० से और अंक दिन के चक्र नं० ४ से और पूछनेवाले के नाम के हरूफ जितने हों उन सबको जोड़कर ७ का भाग दो। अगर बाकी १ बचे तो नौकरी करोगे। २ बचें तो खरीद-फरोख्त का रोजगार होगा। ३ बचें तो हमेशा भाइयों से सलूक नेकी करोगे। ४ बचें तो खेती के काम से। ५ बचें तो सुख आनंद से। ६ बचें तो दूसरों के उपकार से। ७ बचें तो रोजी जीविका के ढूँढ़ने में हमेशा रहोगे कोई काम पर थिर न रहोगे।

९–मेरी हाथ की तंगी कब दूर होगी ?

पूछनेवाले के नाम के अंक और उस दिन के अंक चक्र नं० १ और २ लेकर २ और मिला दो फिर ४ का भाग दे दो। बाकी १ रहे तो बुराई निकल गई अब जल्द भलाई होनेवाली है। अगर २ बचें तो चार महीना यही हालत रहेगी। अगर ३ बचें तो आठ महीना के बाद किसी दोस्त की मदद से

अच्छाई होगी। अगर ४ बचें तो जिन्दगी कभी अच्छी तरह, कभी बुरी तरह रहेगी।

१०—वह काम कब पूरा होगा ?

प्रश्न के दिन का अंक और नक्षत्र तथा तिथि के अंक चक्र नं० ४–५–१० से लेकर सबको ३ से गुणा देकर २ और मिला दो फिर ६ का भाग दो। बाकी १ रहे तो काम १५ दिन में पूरा होगा। २ बचें तो १ महीना में। ३ बचें तो २ महीना में। ४ बचें तो ६ महीना में। ५ बचें तो १ दिन में। ६ बचें तो १२ घंटे में। ७ बचें तो १ पहर में। ८ बचें तो १ घड़ी में। ६ बचें तो अभी इसी वक्त हो जायगा।

११—वह आदमी इस वक्त क्या कर रहा है ?

प्रश्न के समय के नक्षत्र, योग, तिथि के अंक चक्र नं० ८–६–१० से लेकर २ से गुणा दो फिर ३ और मिला दो फिर सबमें १२ का भाग दो। बाकी अगर १ बचे तो वह आदमी एक जगह आराम से बैठा है और उसके पास कुछ आदमी भी बैठे हैं।



अगर २ बचें तो कोई काम शारीरिक कसरत का कर रहा है। ३ बचें तो १ जगह बैठा हुआ कुछ शोच में पड़ा है। ४ बचें तो सोकर उठा है मुँह हाथ धो रहा है। ५ बचें तो भूख लगी है या खाना खाता है। ६ बचें तो बाजार की शैर कर रहा है। ७ बचें तो बगल में लिपटा पड़ा है। ८ बचें तो किसी फिकर में पड़ा है। ६ बचें तो नेकी के कामों में लग रहा है। १० बचें तो किसी मर्द या बुज़ुर्ग से मिलने का इरादा कर रहा है या खत लिख रहा है। ११ बचें तो कुछ फायदे की तजबीज कर रहा है। १२ बचें तो कामदेव के वेग से विषयभोग कर रहा है।

१२—वह मुझे रुपये की मदद देगा ?

जिस आदमी से मदद लिया चाहता है उसके नाम के अक्षर चक्र नं० १ से लेकर उसमें प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षर के अंक भी जमा करके सबमें दिन के अंक चक्र नं० २ से लेकर जोड़ दो फिर ४ का भाग दे दो। अगर बाकी १ बचे तो वह आदमी तुमको रुपया की मदद देगा। अगर २ बचें तो इनकार करेगा।

३ बचें तो वायदों में टाल देगा। ४ बचें तो कोई चीज गिरवी रखने के लिए माँगेगा वा जमानत माँगेगा।

१३—क्या मेरा कर्जा अदा हो जावेगा ?

प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षर गिनो फिर सूरज जिस राशि में हो उस राशि के अंक चक्र नं० ७ से लेकर अक्षरों में मिलाओ फिर मंगल जिस नक्षत्र पर हो चक्र नं० ८ से उस नक्षत्र की संख्या मिला दो फिर २ और मिला दो सब जोड़कर ४ अर्थात् लब्धि (खारिज किस्मत) में जिस राशि का चन्द्रमा हो उसके अंक चक्र नं० ७ से लेकर जमा कर लो और सबको ३ से भाग कर दो। बाकी १ बचे तो कर्जा जल्द अदा हो जायगा। अगर २ बचें तो देर से, कठिनता से कर्ज चुकेगा। ३ बचें तो जिंदगी भर कर्जा अदा न होगा।

१४—उस चीज के खरीद फरोख्त में लाभ होगा ?

प्रश्नकर्ता और चीज के नाम के अक्षर सब लिख-कर उनके अंकों को चक्र नं० १ से निकाले फिर

१ मंगल का नक्षत्र जंत्री-पत्रे से मालूम करो।



दिन के अंक चक्र नं० २ से लेके सब जोड़कर ४ का भाग देवे। अगर बाकी १ बचे तो बेंचने से फायदा, खरीदने से नुकसान हो। २ बचें तो बेंचन से नुक-सान, खरीद से फायदा। ३ बचें तो दोनों में नुक-सान हो। ४ बचें तो दोनों में फायदा होगा।

१५—मेरे काम में फायदा होगा या नुकसान ?

प्रश्नसमय के नक्षत्र और तिथि की संख्या चक्र नं० ८ व १० से लो और प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षरों की तादाद सबको जमा करके २ से गुणा करो फिर ३ का भाग दो। बाकी १ बचे तो नुकसान होगा। २ बचें तो नफा होगा। ३ बचे तो नफा और नुकसान बराबर होगा।

१६—वह मेरा रुपया वापस दे देगा ?

प्रश्नकर्ता के नाम और रुपया लेनेवाले के नाम इन दोनों के नाम के अक्षरों की तादाद और प्रश्न-समय के इष्ट की घड़ी जो हो उनको और दिन के अंक चक्र नं० ४ से लेकर सबको जमा करके ३ का भाग दो। बाकी १ बचे तो वह तुम्हारा रुपया दे

देगा । २ बचें तो नहीं देगा । ३ बचें तो हमेशा वायदा में टालेगा या कुछ जुजबी दे देगा ।

१७–मेरे भाई का क्या हाल है ?

प्रश्नकर्ता के भाई के नाम के अक्षरों की तादाद और उस समय नक्षत्र, तिथि, योग की तादाद मिलाकर सबको दुगुना कर लो फिर ४ का भाग दो। बाकी एक बचे तो खुश है। अगर २ बचें तो कुछ गमगीन है । ३ बचें तो दिल को फिकर या शरीर में तकलीफ है। ४ बचें तो तुम्हारे भाई का भाग्य खराब है। हर तरह से रंज व तकलीफ उठावेगा ।

१८–मेरे भाई मुझसे सलूक करेंगे ?

प्रश्नकर्ता के नाम के पहिले अक्षर से और भाइयों के नाम के पहिले अक्षर से चक्र नं० ११ से वर्ग मालूम कर लो और फिर इन वर्गों की दोस्ती व दुश्मनी[1] व समता से भाइयों के सलूक व मुहब्बत का हाल कहो । अथवा प्रश्न समय के नक्षत्र,

[1] वर्गों की दोस्ती व दुश्मनी किशोरीजंत्री या किसी पत्रे से मालूम होगी ।



तिथि, योग की तादाद को जमा करके ३ का भाग दो बाकी १ बचे तो सलूक रक्खेंगे । २ बचें तो नहीं । ३ बचें तो मतलब के भाई हैं ।

१९–मेरे माँ-बाप की क्या हालत है ?

प्रश्नसमय में सूरज और चन्द्रमा जिस जिस राशि में हों उन राशियों के अंकों को चक्र नं० ७ से लेकर इनमें हिन्दी महीना के गुजरे हुए दिन और तिथि गिनकर एक जगह जमा करो फिर सब-में ४ का भाग दे दो अगर बाकी १ बचे तो वह हर तरह से खुश हैं। २ बचें तो उनकी हालत अच्छी नहीं है। ३ बचें तो उनको फिकर व रंज है । ४ बचें तो वह जल्द दुनिया से चल बसेंगे ।

२०–मुझको रियासत में हिस्सा मिलेगा ?

प्रश्नकर्ता के नाम के अंक और दिन के अंक चक्र नं० १ और चक्र नं० २ से निकालकर जमा करो फिर ४ अंक उसमें और मिला दो सबको ३ से भाग दो। अगर बाकी १ बचे तो माल व रिया-सत का हिस्सा तुमको मिलेगा। २ बचें तो पूरा

हिस्सा नहीं मिलेगा। ३ बचें तो माल व रियासत पर झगड़ा पैदा होगा।

२१—मेरे मकान में दफीना है ?

प्रश्नसमय की तिथि, नक्षत्र, योग, वार गिनकर जमा कर लो और चन्द्रमा जिस राशि में हो उसको चक्र नं० ७ से अंक लेकर जोड़ दो फिर सबमें ३ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो जमीन में धन है। २ बचें तो माल निकाल लिया गया है। ३ बचें तो तुमको धोखा है माल नहीं है। अब अगर मालूम हो जाय कि इस जगह माल है तो पूर्वोक्त भाग के लब्धि अङ्कों में ४ का भाग दे दो। अगर १ बचे तो पूरब। २ बचें तो पच्छिम। ३ बचें तो उत्तर। ४ बचें तो दक्खिन की तरफ माल मिलेगा।

२२—मैं कोई मकान आदि बनाऊँगा ?

प्रश्नसमय के दिन, नक्षत्र, योग, तिथि के अंक चक्र नं० ४-८-६-१० से लेकर जमा करके प्रश्नकर्ता के नाम के अंक चक्र नं० ३ से लेकर



जोड़ दो फिर ४ का भाग दे दो बाकी १ बचे तो तुम मकान खरीदोगे। २ बचें तो मुश्किल है। ३ बचें तो खरीद के बेंच दोगे। ४ बचें तो तुम मकान बनाने के लिए कर्जा लोगे और कर्जा दे नहीं सकोगे।

२३—मुझे जमीन से फायदा होगा ?

प्रश्नकर्ता से किसी फल का नाम कहलवाके उस नाम के अंक चक्र नं० ३ से लेवे और उस दिन के अंक चक्र नं० ४ से लेकर जोड़ देवे और उस समय के इष्ट की घड़ी भी पूर्वोक्त अंकों में जोड़कर ३ का भाग देवे। बाकी १ बचे तो फायदा होगा। २ बचें तो नुकसान होगा। ३ बचें तो न फायदा न नुकसान होगा।

२४—उस मकान का खरीदना कैसा है ?

प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षर सब लिखकर चक्र नं० १ से अंक निकालो फिर उसमें दिन के अंक चक्र नं० २ से लेकर जोड़कर ३ से जरब करो। जरब करके ४ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो

वह मकान तुम्हारे लिए अच्छा है फलेगा। २ बचें तो उस मकान में धन की तकलीफ होगी। ३ बचें तो शरीर की बीमारी आदि से दुख पावेगा। ४ बचें तो कभी उसमें मत रहना, मनहूस मकान हैं, बुरे समय का बना है।

२५—उस आदमी से मुलाकात होगी ?

प्रश्नसमय जितनी घड़ी दिन चढ़ा हो उसको ३ से गुणा कर दो फिर ४ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो मुलाकात होगी। २ बचें तो दो दफे जाना पड़ेगा। ३ बचें तो कभी नहीं मिलेगा। ४ बचें तो पहिले तो मिले नहीं अगर मिले भी तो अपनी ही तकलीफ को कहेगा तुम्हारी बात नहीं सुनेगा।

२६—मेरे घर में सन्तान क्यों नहीं होती ?

प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षर गिनकर उसमें वर्तमान नक्षत्र गिनकर जोड़ दो फिर उन अङ्कों में प्रश्नकर्ता की राशि के अङ्क चक्र नं० ४ से लेकर पहिलेवाले अङ्कों में घटा दो बाकी अङ्कों को ७



से जरब करके ९ का भाग दे दो। बाकी अगर १ बचे तो तुम्हारे भाग्य में सन्तान नहीं है। २ बचें तो प्रेतबाधा है। ३ बचें तो किसी की साया है। ४ बचें तो तुम्हारी स्त्री को मर्ज प्रदर है। ५ बचें तो तुम्हारा वीर्य पतला है। ६ बचें तो स्त्री के गर्भाशय में खराबी है। ७ बचें तो स्त्री को प्रेतबाधा है। ८ बचें तो गर्भ गिर पड़ता है। ९ बचें तो आतशक व प्रमेह से वीर्य पतला हो गया है, ताकत कम हो गई है।

२७—मेरी स्त्री के गर्भ है पुत्र होगा या कन्या ?

प्रश्न समय के दिन, तिथि, नक्षत्र, योग के अङ्क जमा करो और पूछनेवाले के नाम के अक्षरों को उसमें जोड़कर ३ का भाग दो। बाकी १ बचे तो पुत्र होगा। २ बचें तो पुत्री। ३ बचें तो गर्भ गिर जाय वा होकर मर जाय।

२८—मेरा लड़का बीमार है आराम हो जावेगा ?

लड़के के नाम के अंक चक्र नं० १ से निकालकर उसमें प्रश्न समय के दिन के अंक चक्र नं०

२ से लेकर जोड़कर ४ का भाग दे दो। बाकी अगर १ बचे तो जल्दी आराम होवे। २ बचें देर से। ३ बचें तो बीमारी कठिन है। ४ बचें तो मौत का डर होवे।

२९–मेरे लड़के की शादी कब होगी ?

प्रश्नकर्ता से किसी फूल का नाम लिवावै। उस फूल के अक्षरों को गिन लो और उसमें लड़के की उमर के बरसों की गिनती जोड़ दो फिर सबको ३ से गुणा दो हासिल में उस दिन के नक्षत्र की गिनती जोड़ दो सब मिलाकर ४ का भाग दो। बाकी १ बचे तो जल्दी कहीं शादी पकी हो। २ बचें तो १ जगह पकी हो रही है एक महीने के अन्दर खबर मिलेगी। ३ बचें तो बातचीत तो हो जायगी मगर चुगलखोर न होने देंगे और देर के बाद शादी होगी। ४ बचें तो शादी १ साल के बाद होवे तो हो, नहीं तो नहीं।

३०–मेरे लड़के की किस्मत कैसी होगी ?

प्रश्न समय के बार की गिनती को उस दिन



के नक्षत्र की संख्या से गुणा करो हासिल गुणा में से लड़के के नाम के अक्षरों की संख्या को घटा दो बाकी जो अङ्क रहें उनमें ५ का भाग दो। बाकी अगर १ बचे तो भाग्यवान् होगा। २ बचें तो व्यापार से धन कमावेगा। ३ बचें तो बिना रोजगार के आवारा रहेगा। ४ बचें तो जो कुछ कमावे बुरे कामों में खो देवेगा। ५ बचें तो आराम से जिंदगी व्यतीत करेगा।

३१–मेरा पुत्र मेरे कहे में चलेगा ?

प्रश्नकर्ता और उसके पुत्र के नाम के अक्षरों की संख्या लेकर मिला दो और उस दिन चन्द्रमा जिस राशि में हो उसके अंक चक्र नं० ७ से लेकर उसमें जोड़कर ३ का भाग दो। बाकी १ बचे तो तुम्हारा कहा न मानेगा। २ बचें तो ताबेदारी करेगा। ३ बचें तो तुम्हारी कभी परवाह न करेगा।

३२–वह स्त्री मुझसे प्रेम करती है ?

प्रश्नकर्ता और स्त्री के नाम के अंक चक्र नं० १ से अक्षर अक्षर के लिखकर जोड़ दो फिर उस

दिन के अंक चक्र नं० २ से लेकर मिला दो फिर ३ का भाग दो। बाकी १ बचे तो वह तुमसे वैर रखती है। २ बचें तो तुमसे प्रेम करती है। ३ बचें तो तुम्हारी कुछ परवाह नहीं रखती।

३३—वर मुझे मित्र समझता है या शत्रु ?

प्रश्नसमय के दिन, नक्षत्र, योग के अंक चक्र नं० ४—८—६ से लेकर जोड़ दो और ११ अंक और मिला दो फिर सबमें ३ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो तुम्हें शत्रु समझता है और जाहिर में दोस्त है। २ बचें तो जाहिर में शत्रु अन्दर में दोस्त है। ३ बचें तो न दोस्त है न दुश्मन, बातों से तुम्हें खुश कर देता है।

३४—मेरा रोजगार कब खुलेगा ?

प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षर गिनकर उसके नाम के नक्षत्र के अङ्क चक्र नं० ८ से लेकर जोड़ दो और उस समय सूरज जिस राशि में हो उसके अङ्क चक्र नं० ७ से लेकर उसी में जोड़ दो फिर ७ का भाग दे दो, बाकी १ बचे तो बहुत जल्द रोजगार



चलेगा। २ बचें तो देर से चलेगा। ३ बचें तो १ महीने के बाद। ४ बचें तो तीन महीने के बाद। ५ बचें तो बहुत जल्द तुमको कोई खत आता है। ६ बचें तो बहुत देरी है धीरज धरो। ७ बचें तो कभी चलेगा कभी नहीं चलेगा।

३५—मेरा प्यारा मुझे मिलेगा ?

प्रश्नसमय के तिथि, वार, नक्षत्र, योग की तादाद चक्रों से निकालकर जमा करो और उस समय शुक्र जिस राशि में हो उसके अंक चक्र नं० ७ से लेकर जोड़ दो फिर ४ का भाग दे दो बाकी अगर १ बचे तो उसकी इच्छा मिलने की है। २ बचें तो बातचीत करना चाहता है किसी की मारफत होगी। ३ बचें तो वह अपनी इच्छा से तुम्हें जल्द मिलेगा। ४ बचें तो कभी नहीं मिलेगा अगर मजबूरन मिलेगा तो तुम्हें धोखा देगा।

३६—वह मुझसे क्यों नाराज है ?

प्रश्नकर्ता के नाम के अंक चक्र नं० १ से लेकर और दिन के अंक चक्र नं० २ से लेकर और ८

अंक और भी लेकर तीनों को जोड़ देवे फिर १६ उसमें घटाकर बाकी में १२ का भाग दे दो। अगर बाकी १ या ५ या ९ रहें तो उस आदमी को तुम्हारी तरफ से किसी ने नाराज कर दिया है। अगर २ या ६ या १० बचें तो किसी माल के मामले की वजह से रंजिश है। अगर ३ या ७ या ११ बचें तो तुम्हें वृथा सन्देह है। वह नाराज नहीं है। अगर ४ या ८ या १२ बचें तो वह नाराज नहीं बल्कि किसी स्त्री के सबब दुश्मनी मानता है।

### ३७—वह स्त्री गर्भवती है या नहीं ?

प्रश्न समय के दिन की गिनती इतवार से गिनकर जितनी होवे उसमें ३ से गुणा करो हासिल गुणा में वर्तमान नक्षत्र की तादाद चक्र नं० ८ से लेकर जोड़ दो फिर ४ का भाग लगा दो। बाकी अगर १ बचे तो गर्भ नहीं है। २ बचें तो गर्भ है। ३ बचें तो सन्देह है शायद गर्भ की हालत में कोई नुकसान पैदा हो जाय। अगर ४



बचें तो गर्भ के निशान तो जरूर हैं किन्तु गर्भ गिर जाने का सन्देह होता है ठहरेगा नहीं।

### ३८—मुझे राज-दरबार से लाभ होगा ?

प्रश्नकर्ता के नाम के नक्षत्र की तादाद चक्र नं० ५ से निकाले और पूछनेवाले की राशि के स्वामी जो ग्रह हों उसके अंक चक्र नं० ४ से निकाले फिर उस दिन जो वार होवे उसकी तादाद इतवार से गिनकर जो होवे उन सबको जोड़कर और सूरज जिस राशि में होवे उसके अंक चक्र नं० ७ से लेकर इसको भी उनमें मिला दो फिर ४ का भाग दो। अगर बाकी १ बचे तो लाभ न होगा आशा छोड़ दो। २ बचें तो लाभ होगा। ३ बचें तो किसी शत्रु के सबब से पूरा लाभ नहीं होगा। ४ बचें तो राजा तक तुम्हारा पहुँचना कठिन है, हो भी तो लाभ न होगा।

### ३९—मैं अपने ओहदे पर बहाल होऊंगा ?

प्रश्न के समय जो दिन हो इतवार से गिनकर जो अंक हों उनको ४ से गुणा करके १० और

मिला दो और सूरज जिस राशि में हो उसके अंक चक्र नं० ७ से निकालकर उसी में मिला दो फिर ३ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो मुश्किल है। २ बचें तो जल्द बहाल हो जावोगे। ३ बचें तो बनाबनाया काम किसी की वजह से बिगड़ जायगा।

४०–मेरी शादी कैसी स्त्री से होगी ?

प्रश्नसमय के दिन को इतवार से गिन लो फिर उस दिन के नक्षत्र की तादाद चक्र नं० ५ से ले लो और योग की गिनती चक्र नं० ६ से ले लो और उस समय शुक्र जिस राशि में हो उसके अंक चक्र नं० ७ से निकालो फिर सब अंकों को जोड़कर वार की तादाद से जरब दे दो फिर हासिल जरब को ७ का भाग लगा दो। अगर बाकी १ बचे तो गुस्सेवाली स्त्री से शादी हो। २ बचें तो मीठी बोली की स्त्री से। ३ बचें तो चालाक, लालची स्त्री से। ४ बचें तो बदसूरत से ५ बचें तो अच्छी बोली, अच्छी सूरतवाली से। ६



बचें तो बीमार से। ७ बचें तो बेवफा मतलबी से।

४१–तीरथ को मेरा जाना होगा या नहीं ?

प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षर गिन लो और उस दिन जिस राशि का चन्द्रमा हो उसके अंक चक्र नं० ७ से ले लो और ४ अंक और भी ले लो इन सबको जोड़कर ३ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो तुमको बड़े बड़े तीर्थों की यात्रा होगी। २ बचें तो धन की तंगी के सबब से नहीं जाओगे। ३ बचें तो घर से जाकर रास्ता से वापस आ जाओगे।

४२–चोरी गई हुई चीज मिलेगी या नहीं ?

प्रश्नसमय की तिथि, दिन, नक्षत्र, योग की गिनती के अंक चक्रों से निकाले। फिर इष्टकाल की घड़ी जो कुछ हों उन सबको जोड़ दो और ४ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो नहीं मिलेगी। २ बचें तो मिल जायगी। ३ बचें तो चोर का पता लग जायगा। ४ बचें तो चोर माल लेकर भाग गया है मिलेगा नहीं।

चोर पकड़ने की तरकीब—अगर उस जगह बहुत से आदमी मौजूद हों और उन पर चोरी का संदेह हो तो प्रश्न के समय को खूब ठीक पूछकर इष्टकाल को बनावे फिर इष्ट की घड़ी पलों को १० से गुणा करे हासिल गुणा में १२ और जोड़ देवे फिर सबको ५ से गुणा करे उनमें १६ और जोड़े फिर १५ से भाग दे लब्धि को ३ से गुणा करे हासिल अंकों को आधा कर लो जो अंक मिलें उनको अगर दोपहर के भीतर का समय हो तो पूरब की तरफ से उन आदमियों पर बाँटे, जहां पर गिनती पूरी हो वही चोर समझना। अगर दोपहर से संध्या तक का समय हो तो बायें से दाहिने की तरफ बाँटे, जहां खतम हो वही चोर जाने।

चोरी के माल की दिशा जानने की तरकीब—इस चक्र पर किसी बालक से अथवा किसी स्त्री से उँगली रखवावे। जिस अङ्क पर उँगली रक्खे उस अङ्क को उसी अङ्क से गुणा देकर ८ का भाग देवे। अगर १ बचे तो पूरब। २ बचें तो अग्नि-



| १ | ८ | १४ | १९ | २३ | २६ | २८ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ८ | २ | ९ | १५ | २० | २४ | २७ |
| १४ | ९ | ३ | १० | १६ | २१ | २५ |
| १९ | १५ | १० | ४ | ११ | १७ | २२ |
| २३ | २० | १६ | ११ | ५ | १२ | १८ |
| २६ | २४ | २१ | १७ | १२ | ६ | १३ |
| २८ | २७ | २५ | २२ | १८ | १३ | ७ |

कोण। ३ में दक्षिण। ४ में नैर्ऋत्य कोण। ५ में पच्छिम। ६ में वायव्य कोण। ७ में उत्तर। ८ में ईशानकोण को माल चला गया है उसी तरफ चोर को तलाश करना चाहिए। इसके बाद जो अंक लब्धि में मिले हों उनको आधे कर डाले अगर वह अंक विषम हों तो चोरी का माल हरगिज नहीं मिलेगा। अगर सम हों तो मिल जावेगा। इसके बाद पूर्वोक्त लब्धि अंक जो हों उनके आधे करने से जो बाकी बचे हों उन अंकों से लब्धि को गुणा कर ९ से भाग देवे, अगर लब्धिअंक सम हों तो स्त्री चोर है वा स्त्री के सबब से चोरी हुई। अगर विषम हों तो मर्द चोर है। और भाग देने के बाद जो बाकी अंक बचते हों उनको देखो अगर १-२-३ हों तो

चोर थोड़ी उमर बिना दाढ़ी-मूछवाला हो। अगर ४-५-६ बचें तो नौजवान ताकतवर हो। अगर ७-८-६ बचें तो ज्यादा उमर बूढ़ा आदमी चोर जानना। इसके बाद ६ के भाग से जो अंक लब्धि मिले हों उनकी बाकी जो अंक मिले हों उनसे गुणा देवे हासिल गुणा में २८ का भाग देवे और जो बाकी बचे उन अङ्कों को चक्र अक्षरी जो कि नीचे लिखता हूँ उस पर बाँटे। जिस अक्षर पर गिनती खतम हो वह अक्षर चोर के नाम का पहिला अक्षर जानना। मगर ख्याल रहे कि असली नाम का पहिला अक्षर समझना चाहिये।

चक्रवाले नाम के अक्षर

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | ब | त | स | ज | ह | ख़ | द | ज़ | र | ज़ | स | श | स |
| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ |
| ज़ | त | ज़ | अ | ग़ | फ़ | क | ग | ल | म | न | व | ह | य |

इसके बाद २८ के भाग देने से जो बाकी



अङ्क रहे हों उनमें ४ का भाग देवे। अगर बाकी १ रहे तो माल बहुत पास यानी इसी शहर या मुहल्ले में है। अगर २ बचें तो थोड़ी दूर माल चोर ले गया है। ३ बचें तो एक जगह से रखकर दूसरी जगह ले गया है। ४ बचें तो बहुत फ़ासले पर और दूर चोर माल ले गया है।

४३—वह आदमी भाग गया है मिलेगा या नहीं ?

प्रश्न समय भागे हुए आदमी के नाम के अक्षरों के अङ्क चक्र नं० १ से निकालकर उस दिन के अङ्क चक्र नं० २ से लेकर जमा कर लो फिर सब में ४ से गुणा दो फिर ३ का भाग दो बाकी १ बचे तो नहीं मिलेगा दूर गया है। २ बचें तो ढूँढ़ने से मिल जायगा। ३ बचें तो बहुत दिन में पता लगेगा।

४४—वह बीमार है आराम होगा या नहीं ?

बीमार के नाम का नक्षत्र चक्र नं० ५ से मालूम करे और प्रश्न के समय जो नक्षत्र हो उसको नाम के नक्षत्र से प्रश्न नक्षत्र तक गिने और

उस दिन जो तिथि हो उसको गिनके चाहे वह सुदी हो चाहे बदी हो उसमें जोड़ देवे फिर ४ से गुणा देवे हासिलगुणा को ३ से भाग देवे। बाकी १ बचें तो मर जावेगा। २ बचें तो देर से आराम होगा। ३ बचें तो जल्द आराम होगा।

दूसरा कायदा।

बीमार के नाम का नक्षत्र चक्र नं० ५ से मालूम करो फिर उस रोज सूरज जिस नक्षत्र[1] पर हो नाम नक्षत्र से सूरज के नक्षत्र तक गिन लो जो अङ्क हों उनको इस साँप के चक्र में देखो अगर वह
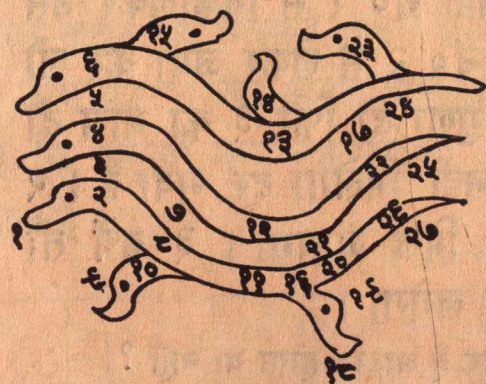
अङ्क साँप के मुख में होय तो बीमार जल्द मर जावे। अगर मुख के पास कहीं होवे तो बीमारी

१. सूरज के नक्षत्र किशोरी जंत्री या पत्रे में देखो।



कठिन भोगेगा और देर से आराम होगा। अगर किसी और जगह वह अङ्क साँप के शरीर में होगा तो आराम हो जावेगा। इस साँप को यमदंष्ट्रा चक्र भी कहते हैं। मानसागरी आदि पुस्तकों में मौजूद है।

४५—उसको बीमारी शरीर की है या जादू की ?

प्रश्न समय का दिन, नक्षत्र, तिथि का शुमार करके इसमें प्रश्नकर्ता के और बीमार के नाम के अक्षरों की तादाद मिलाकर ८ का भाग देवे बाकी १ बचे तो बीमारी पित्त की। २ बचें तो जिगर में गरमी और बुखार। ३ बचें तो कफ की बीमारी। ४ में खुश्की। ५ में चिन्ताफिकर। ६ व ७ में जादू व प्रेतबाधा। ८ में चिन्ता व बहम से बीमारी पैदा हुई है। अगर जादू करनेवाला स्त्री है या पुरुष ये जानना चाहे तो ऊपर भाग देने से जो लब्धि आई हो उन अङ्कों में ३ का भाग देवे। अगर बाकी १ बचे तो स्त्री ने। २ बचें तो मर्द ने। ३ में दोनों ने मिलकर जादू किया है।

### ४६–स्त्री-पुरुष में पहिले कौन मरेगा ?

दोनों स्त्री-पुरुष के नाम के अक्षर न्यारे २ लिखकर उनके अंकों को चक्र नं० १ से निकालकर जमा कर लो और २ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो स्त्री पहिले मरे। २ बचें तो पुरुष।

### ४७–उसको नौकर रखना शुभ है ?

कागज पर एक तसवीर पुरुष की बनावे और नौकर के नाम के नक्षत्र से प्रश्नकर्ता के नाम के नक्षत्र तक गिने जितने अंक हो उनमें से ३ अंक माथे पर, ३ मुख पर, ५ छाती पर, ६ दोनों पैरों पर, २ कमर पर, ४ नाभि पर, २ गुदा पर, १ दाहिने, १ बायें हाथ पर लिखे। अगर माथे पर अपना अंक मिले तो उस नौकर से लाभ, धन-वृद्धि हो। मुख पर मिले तो दुख मिले। छाती पर हो तो धन-वृद्धि हो। पैरों पर हो तो दरिद्र हो। कमर पर हो तो शुभफल होगा। नाभि पर हो तो



आराम मिले। गुदा पर हो तो जान का खतरा हो। दाहिने हाथ पर हो तो उससे धन का फायदा हो। बायें हाथ पर हो तो उसके रखने से धन की हानि हो।

### ४८—वह काम किस रोज शुरू करूँ ?

प्रश्न समय के नक्षत्र, योग, तिथि की तादाद को चक्रों से ले करके उस रोज चन्द्रमा जिस राशि में हो उसके अंक चक्र नं० ७ से निकाल कर जोड़ दो फिर ७ का भाग दो। बाकी १ बचे तो इतवार। २ बचें तो सोमवार। ३ बचें तो मङ्गलवार को। इसी तरह ७ बचें तो शनिवार को काम शुरू करना चाहिए।

### ४९—वह आदमी जिन्दा रहेगा या नहीं ?

प्रश्न के समय सूरज किस नक्षत्र पर है और चन्द्रमा किस नक्षत्र पर है और बीमार के नाम का नक्षत्र कौन सा है। इन तीनों को चक्र नं० ५ से निकाल लो फिर इन तीनों नक्षत्रों को आगे लिखे हुए चक्र में देखो अगर एक लाइन में जैसे आर्द्रा पुनर्वसु पुष्य तीनों नक्षत्र हों तो वह मरीज जल्द मर जावेगा।

## चक्र।

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नं० १ | आर्द्रा | पू. फा. | उ. फा. | ऽनुरा० | ज्येष्ठा | धनिष्ठा | शत० | भरणी | कृत्तिका |
| नं० २ | पुन० | मघा | हस्त | विशा० | मूल | श्रवण | पू. भा. | अश्विनी | रोहिणी |
| नं० ३ | पुष्य | श्लेषा | चित्रा | स्वाति | पू. षा. | उ. षा. | उ. भा. | रेवती | मृगशिरा |

अगर अलग अलग हों तो जिन्दा रहेगा।

### ५०—गायब आदमी कब लौटकर आवेगा ?

प्रश्नकर्ता से किसी वार का नाम कहिलावे अगर इतवार या बुधवार का नाम लेवे तो जल्द आता है। अगर बृहस्पति या शुक्रवार कहे तो आने ही वाला है। अगर शनैश्चर कहे तो देर है अभी घर पर ही है। अगर मङ्गल का नाम लेवे तो बीमार है। अगर सोमवार कहे तो देर से आवेगा। गायब किस तरफ है इसके लिए गायब के नाम के अक्षर और दिन के अंकों को निकाल कर जोड़ दो फिर ४ का भाग दे दो। अगर १ बचे तो पूरब। २ बचें तो पच्छिम। ३ बचें तो उत्तर। अगर ४ बचें तो दक्खिन को गया है जल्द आवेगा।



### ५१—आज पानी बरसेगा या नहीं ?

प्रश्नकर्ता के नाम के अंकों में उस दिन के अंक चक्र नं० २ से लेकर जोड़ दो फिर ४ का भाग दे दो बाकी अगर १ बचे तो उस दिन पानी नहीं बरसेगा। २ बचें तो हवा ठंडी चलेगी। ३ बचें तो वर्षा होगी। ४ बचें तो आँधी आवे और कुछ बादल भी हो और अगर चन्द्रमा उस रोज कर्कका हो तो आकाश में बादल हो और थोड़ी वर्षा भी हो।

### ५२—उस स्त्री के गर्भ से क्या होगा ?

प्रश्न समय के नक्षत्र का शुमार और इतवार से दिन का शुमार करके इन सबको दुगुना कर लो फिर जिस राशि में चन्द्रमा हो उसके अंक चक्र नं० ७ से लेकर उसमें मिलाकर ३ का भाग दे दो अगर १ बचे तो लड़का होगा। २ बचें तो लड़की। ३ बचें तो गर्भ के गिरने का डर है अगर न गिरा तो लड़की होगी।

### ५३—उससे साझा करने से फायदा होगा ?

प्रश्नकर्ता और साझी दोनों के नाम के नक्षत्रों

के अंकों में उस दिन के अंक चक्र नं० २ से निकाल कर जोड़ दो और ७ अंक और भी उसमें मिला दो ४ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो साझा बहुत जल्द टूट जायगा। २ बचें तो फायदा रहेगा। ३ बचें तो आपस में सन्देह रहेगा। ४ बचें तो फायदा न हो बल्कि नुकसान होगा।

५४—मुझे किस तरफ के जाने से लाभ होगा ?

प्रश्न समय के नक्षत्र, योग, तिथि को गिन-कर ४ से जरब करो फिर हासिल जरब में ७ अंक कम कर दो बाकी में प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षरों को जोड़ दो और ४ का भाग दे दो। अगर १ बचे तो पूरब जाने से लाभ होगा। २ बचें तो दक्खिन से। ३ बचें तो उत्तर से। ४ बचें तो पच्छिम जाने से लाभ होगा।

५५—मेरे स्वप्न का फल क्या है ?

जिस दिन स्वप्न देखा हो उस दिन के अंक चक्र नं० ४ से ले लो और जिस दिन प्रश्न किया हो उसको इतवार से गिनकर दोनों को इकट्ठा



करो और जिस राशि में शनैश्चर हो उसके अंक चक्र नं० ७ से लेकर उसमें जोड़ दो और ४ का भाग दे दो। बाकी अगर १ बचे तो तुमको फायदा होगा। २ बचें तो मनोरथ पूरा होगा। ३ बचें तो नुकसान होगा। ४ बचें तो स्वप्न निष्फल है।

५६—इस वर्ष नाज तेज होगा या मद्दा ?

प्रश्न के समय की तिथि, नक्षत्र, दिन, योग के अङ्कों को चक्रों से लेकर इकट्ठे करो और सूरज जिस राशि में हो उसके अङ्कों को भी इसमें मिला दो और ३ से गुणा करके बृहस्पति की राशि जो होवे उसके अङ्क निकालकर जोड़ दो फिर ३ का भाग दे दो। अगर १ बचे तो नाज का भाव तेज होगा। २ बचें तो मद्दा रहेगा। ३ बचें तो अकाल पड़ेगा। इसी तरह महीने महीने का भी निकाल लो।

५७—इम्तिहान में पास हो जाऊँगा ?

प्रश्न के समय प्रश्नकर्ता से किसी फल का

नाम कहिला के उसके अक्षर गिनकर ७ से गुणा करे फिर प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षरों की तादाद और उस दिन की तिथि, नक्षत्र, योग की संख्याओं को जोड़कर गुणा किए हुए अङ्कों में जोड़ दो और २ का भाग दो बाकी १ बचे तो पास, २ बचें तो फेल होवे।

५८—वह मुसीबत से छूट जायगा ?

प्रश्न के समय के नक्षत्र, योग की तादाद में चन्द्रमा और मङ्गल जिस राशि में हों उस उस राशि की तादाद चक्र नं० ७ से निकालकर जोड़ दो और सूरज जिस राशि में हो उसकी तादाद इस जुड़े हुए अङ्कों में कम कर दो बाकी में ४ का भाग दे दो। बाकी १ बचे तो जल्दी छूट जावेगा। २ बचें तो बड़ी मुश्किल से धन खर्च होने से छूटेगा। ३ बचें तो देर से छूटे। ४ बचें तो इस मुसीबत में कठिन तकलीफ है।

५९—दोनों की लड़ाई में कौन जीतेगा ?

दोनों लड़नेवालों के नाम के अक्षर गिनकर



अलग २ रक्खे और मङ्गल जिस राशि में हो उसके अङ्क चक्र से लेकर उपरोक्त दो जगह रक्खे हुए नाम के अक्षरों में अलग २ जोड़ दे फिर दोनों में अलग अलग नौ ९ का भाग देवे जिसकी तरफ भाग देने से विषम अङ्क अर्थात् १—३—५ आदि बचें वह मनुष्य जीतेगा। और जिसकी तरफ सम अङ्क बचें वह हार जावेगा। अगर दोनों में एक ही से अङ्क बचें तो दोनों में जो उमर में छोटा होगा वह जबरदस्त पड़ेगा।

६०—मैं उसके मुकाबिले में जीत जाऊँगा ?

प्रश्न के समय प्रश्नकर्ता के नाम के अङ्क चक्र नं० १ से लेकर उस दिन के अङ्क चक्र नं० २ से लेकर जोड़ दो और मङ्गल जिस राशि में हो उसके अङ्क भी चक्र नं० ७ से लेकर उसी में जोड़ दो फिर २ का भाग दे दो। अगर १ बचे तो तुम कमजोर पड़ोगे। २ बचें तो तुम्हारी जीत होगी।

६१—उसका चालचलन कैसा है ?

चालचलनवाले के नाम के अक्षर गिन लो और दिन के अंक इतवार से गिनकर उसमें जोड़कर १२ और मिला दो फिर ४ का भाग दो अगर बाकी १ बचे तो मनुष्य बड़ा चालाक और होशियार है। अगर २ बचें तो खुदगरज और मतलबी है। ३ बचें तो भलाआदमी नेकचलन है। ४ बचें तो बुरा खराब पेट में मैल रखनेवाला बदचलन है इसका विश्वास न करना।

६२—यह वर्ष (साल) दुनिया के लिए कैसा है ?

प्रश्न के समय के नक्षत्र की गिनती में दिन के अंक मिलाकर उनमें १५ और जोड़ दो फिर सबको, सूरज जिस राशि में हो, उसके अंकों में जोड़ दो फिर सबको ४ से गुणाकर ८ का भाग दे दो। अगर बाकी १ रहे तो लोगों के ख्यालात ठीक रहेंगे। २ बचें तो आपस में झूठ बहुत बोलेंगे। ३ बचें तो बलगम की बीमारियों से दुखी होंगे। ४ बचें तो झगड़े बहुत होंगे। ५ बचें तो बुरे कर्म करेंगे। ६ बचें तो चोरी डकैती बहुत



होगी। ७ बचें तो स्त्री और पुरुषों में फिसाद होगा। ८ बचें तो लड़ाई संग्राम उस साल में होगा।

६३—मैं उस मुकदमे में जीतूँगा ?

प्रश्न के समय के नक्षत्र और योग गिनकर प्रश्नकर्ता के नाम के अक्षरों की गिनती में जोड़ दो फिर सबमें ३ का भाग दे दो अगर बाकी १ बचे तो तुम जीत जाओगे। २ बचें तो हार जाओगे। ३ बचें तो तुम दोनों में कोई मेल करा देगा।

६४—मेरा आज का दिन कैसा बीतेगा ?

अगर अपने लिये जानना चाहे तो प्रतिदिन सबेरे उठकर रोज के नक्षत्र को देखो कि आज कौन सा नक्षत्र है उसको गिन लो फिर आगे लिखे हुए चक्र में जिस जगह १ का अंक लिखा है वहाँ उस नक्षत्र को लिखो और बाकी के २७ नक्षत्रों को क्रम से सब अंकों में लिख दो फिर उस चक्र में अपने नाम का नक्षत्र जो हो उसको

देखो कि किस जगह पर है अगर अपना नक्षत्र गोले के भीतर पड़ा हो तो सब काम शुभ हों, चित्त प्रसन्न रहेगा, जो काम करोगे उससे फायदा होगा। अगर गोले के बाहर पड़ा हो तो आधा दिन तो खुशी से गुज-

रेगा और बाकी का आधा दिन फिकर क्रोध दुःख से गुजरेगा और अगर त्रिशूलों पर अपना नक्षत्र पड़ा हो तो सब दिन चित्त की घबराहट और धन का नुकसान, लोगों से लड़ाई, शत्रु से डर, शरीर में खेद हो, अग्नि का डर और चोर से भय हो।
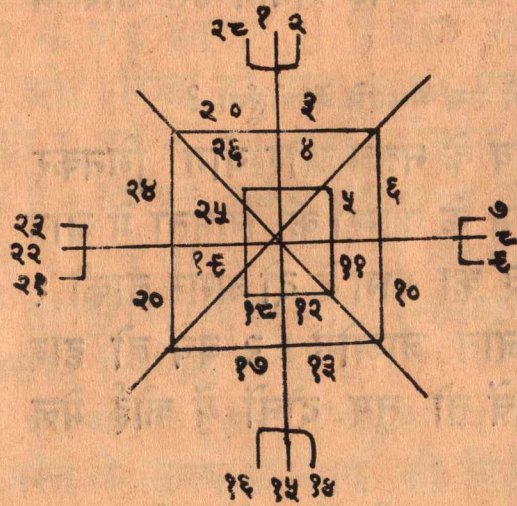
॥ इति प्रश्नप्रकाश समाप्त ॥

## स्वास्थ्य सम्बन्धी पुस्तकें

| | | |
|---|---|---|
| अमृतसागर नागरी सजिल्द | ... | १२०)०० |
| अदरक, सोंठ, हल्दी, पीपल | ... | ५)०० |
| हर्र और उसके सौ उपयोग | ... | ७)०० |
| इलाजुल्गुर्बा नागरी | ... | ५१)०० |
| पपीता, केला, अमरूद, शरीफा | ... | ७)०० |
| माधव निदान सजिल्द | ... | ६०)०० |
| चाय के गुण और दोष | ... | ७)०० |
| नींबू और उसके सौ उपयोग | ... | ५)०० |
| डाक्टर दूध | ... | ७)०० |
| डाक्टर तुलसी | ... | ७)०० |
| डाक्टर आम | ... | ७)०० |
| डाक्टर गन्ना | ... | ५)०० |
| डाक्टर जल | ... | ५)०० |
| डाक्टर त्रिफला | ... | ७)०० |
| डाक्टर गेहूँ और डाक्टर चना | ... | ७)०० |
| डाक्टर बेल | ... | ५)०० |
| दाल | ... | ५)०० |
| जामुन और उसके सौ उपयोग | ... | ७)०० |
| दूध और दूध से बनी चीजें | ... | ५)०० |
| प्याज के उपयोग | ... | ५)०० |
| टमाटर, करैला, बैंगन, परवल | ... | ७)०० |
| नीम और उसके सौ उपयोग | ... | ६)०० |
| मिट्टी चिकित्सा | ... | ५)०० |
| मूली, गाजर, शलजम, चुकन्दर | ... | ७)०० |
| लहसुन के उपयोग | ... | ७)०० |
| सूखे मेवे | ... | ५)०० |
| सोयाबीन | ... | ७)०० |
| तम्बाकू के गुण और दोष | ... | ५)०० |

तेजकुमार बुकडिपो (प्रा०) लिमिटेड,

पोस्ट बाक्स ८५, १—त्रिलोकनाथ रोड, लखनऊ—२२६००१